- खगडिया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 1.00
- पृष्ठ 04
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना। सोमवार, 07 अक्टूबर 2024 | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

9 वां राज्यस्तरीय साफ्ट टेनिस प्रतियोगिता 2024 का पटना के नवाब स्पोर्ट्स अकादमी में हुआ शुभारंभ

जीतने वाले बच्चे खेलेंगे चंडीगढ़ में फाइनल

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के तत्वाधान में सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन ऑफ पटना के द्वारा नवमी बिहार राज्य सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप का रविवार को शानदार उद्घाटन अतिथि माननीय विधायक डा मुकेश रौशन तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार रजनीश जी, पूर्व उप महापौर रुप नारायण मेहता तथा भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजू गुप्ता ने पटना के नसीब स्पोर्ट्स एकेडमी रुकनपुरा में गुब्बारा उड़कर किया गया। इस दौरान अतिथियों का स्वागत साफ्ट टेनिस एसोसिएशन आफ बिहार के महासचिव धर्मवीर कुमार तथा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक आजाद ने किया। कार्यक्रम के शुभारंभ के उपरांत खिलाड़ीयो को संबोधित करते हुए महुआ विधायक डा मुकेश रौशन ने बिहार में साफ्ट टेनिस के विकास के लिए हरसंभव सहयोग करने की बात कही । पूर्व डीप्टी मेयर रूपनारायण मेहता तथा भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने साफ्ट टेनिस खेल के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग करने के लिए प्रयास करने की जानकारी दी। वरिष्ठ पत्रकार रजनीश जी ने खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद तथा शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ीयो के सहयोग में हर संभव ततपर रहने की बात कहें। अतिथियों का स्वागत करते हुए महासचिव धर्मवीर कुमार ने बताया की इस मैच के रिजल्ट के आधार पर जूनियर तथा सब जूनियर ओपेन के नेशनल के लिए चंडीगढ़ जाएंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष आलोक आजाद ने बताया की इस दो दिन चलने वाले राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में बिहार के सतरह जिलों से तीन सौ तैतालीस बच्चे भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजन समिति के अध्यक्ष आलोक आजाद तथा संचालन सचिव तथा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि मेहता ने किया। इस दौरान समाजसेवी गुंजन कुमार, समाजसेवी अभ्युदय सिंह, प्रो. मिताली मित्रा, विवेक कौशिक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रिंस कुमार सहित बिहार के विभिन्न जिलों के सचिव तथा खिलाड़ी उपस्थिति थे।

शारदीय नवरात्र के चौथे दिन मां कूष्मांडा की कि गई पूजा अर्चना

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बौंसी/बांका। बौसी प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र के चौथे दिन रविवार को मां कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गयी। आपको बता दें की शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है। लगातार वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूरा प्रखंड क्षेत्र गुंजायमान हो गया है। हिंदू मान्यता के अनुसार, दुर्गा मां के इस रूप की आराधना करने से देवी आशीष प्रदान करती हैं और सभी दुखों का नाश होता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, मां कूष्माण्डा की मुस्कान की एक झलक ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया। इन्हें अष्टभुजा देवी के रूप में भी जाना जाता है। मां कूष्माण्डा का वाहन सिंह है और आदिशक्ति की 8 भुजाएं हैं। इनमें से 7 हाथों में कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, कमण्डल और कुछ शस्त्र जैसे धनुष, बाण, चक्र तथा गदा हैं। जबकि, आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। मान्यता है कि माता को कुम्हड़े की बलि बेहद प्रिय है, वहीं कुम्हड़े को संस्कृत में कूष्माण्डा कहते हैं। जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था, तब इन्हीं देवी ने ब्रह्मांड की रचना की थी। अतः ये ही सृष्टि की आदि-स्वरूपा, आदिशक्ति हैं। इनका निवास सूर्यमंडल के भीतर के लोक में है। वहाँ निवास कर सकने की क्षमता और शक्ति केवल इन्हीं में है। इनके शरीर की कांति और प्रभा भी सूर्य के समान ही दीप्यमान हैं। इनके तेज और प्रकाश से दसों दिशाएँ प्रकाशित हो रही हैं। ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में अवस्थित तेज इन्हीं की छाया है। मुख्य रूप से बौंसी पुरानी हॉट स्थित दुर्गा मंदिर, कुड़रो दुर्गा मंदिर, गोकुला दुर्गा मंदिर, चांदन डैम स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर, श्याम बाजार दुर्गा मंदिर, सिकंदरपुर दुर्गा मंदिर, गोलहट्टी दुर्गा मंदिर, भंडारीचक दुर्गा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में मां कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गई।

छपरा में ई-रिक्शा और ऑटो के रुट निर्धारण के लिए होगा सर्वे

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

आज के समय में अगर आपको छपरा के किसी भी एरिया में जाना हो तो आप ई-रिक्शा पकड़ लेते है क्योंकि शहर में हजारों की संख्या में ई-रिक्शे चलते है। लेकिन इससे कई बार शहर की यातायात व्यवस्था भी चरमरा जाती है। इसी को देखते हुए अब छपरा शहर में चलने वाले ई-रिक्शा और आटो के रुट निर्धारण को लेकर सर्वे किया जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि शहर में ई-रिक्शा एवं आटो रिक्शा के परिचालन के लिये अलग-अलग रुट चिन्हित किया गया है।

साथ ही आटो पड़ाव के लिए संभावित स्थल के रुप में गांधी चौक, दरोगा राय चौक,सरकारी बस स्टैंड, मेथवलिया चौक एवं नेवाजी टोला को चिन्हित किया गया है। साथ ही कुछ ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा को रिजर्व में किसी भी रुट में जाने की छूट का प्रावधान भी किया जाएगा।

पानापुर प्रखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

प्राथमिक शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष ब्रजनंदन शर्मा और महासचिव घनश्याम यादव के नेतृत्व में रविवार को सारण जिला में संयोजक सुरेंद्र कुमार सिंह,अरविंद कुमार यादव,संजय कुमार राय,अजीत सिंह,सुमन यादव,कौशल यादव के उपस्थिति में पानापुर प्रखंड का चुनाव संपन्न हुआ।जिसमें पर्यवेक्षक ओमप्रकाश यादव और उमेश राय उपस्थित रहे। जिसमें निरंजन कुमार सिंह को अंचल अध्यक्ष तथा संघर्षशील एवं जुझारू सदस्य नीरज कुमार सिंह को वरीय उपाध्यक्ष बनाया गया। साथ ही अनिल कुमार यादव, शैलेश कुमार सिंह, तारकेश्वर कुमार सिंह को उपाध्यक्ष,मो० कासिम को अंचल सचिव,विनोद प्रसाद यादव,कुमार जितेंद्र,बलिंद्र सिंह,सिमा कुमारी,गजेंद्र कुमार सिंह को उप अंचल सचिव,ओमप्रकाश राम को कार्यालय सचिव तथा धनन्जय सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

111 कन्याओं को कराया जाएगा नवमी को भोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

दुर्गा पूजा के अवसर पर नवमी, शुक्रवार को अजगैवीनाथ मंदिर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर 111 कन्याओं को भोजन कराया जाएगा और उन्हें दक्षिणा देकर मंदिर से विदाई दी जाएगी।

अजगैवीनाथ मंदिर के स्थानापति महंत प्रेमानंद गिरी ने बताया कि परंपरा के अनुसार दुर्गा पूजा की नवमी तिथि शुक्रवार को 111 कुमारी कन्या को भोजन कराते हुए उन्हें विदाई दी जाती है।

दुर्गा पूजा अवकाश में कटौती पर शिक्षक संघ ने जताई आपत्ति

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

बिहार के सरकारी स्कूलों में एक बार फिर अवकाश में कटौती किये जाने पर परिवर्तनकारी प्रारम्भिक शिक्षक संघ ने नाराजगी जताई। शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि पहले सरकारी स्कूलों में दुर्गा पूजा में कलश स्थापना से लेकर विजयदशमी तक छुट्टी दी जाती थी। लेकिन पिछले कई वर्षों से स्कूलों में अवकाश में कटौती की जा रही है। जिससे शिक्षकों में आक्रोश है। पिछले साल भी नवरात्रि में शिक्षकों की छुट्टी में कटौती की गई थी। जिसके बाद शिक्षकों ने भारी विरोध किया। शिक्षकों के विरोध के बाद छुट्टी को बढ़ा दी गई, लेकिन एक बार फिर बिहार सरकार ने नवरात्रि की छुट्टी में कटौती कर दी है। उन्होंने कहा कि दशहरा, दीपावली, छठ जैसे पर्व पर विद्यालय में नियमित छुट्टियां हुआ करती थी, ताकि बच्चे, शिक्षक अपने-अपने घरों में हर्षोल्लास के साथ परिवार के संग खुशियाँ मना सके। लेकिन बिहार सरकार आदेश जारी कर सभी प्रमुख त्योहारों की छुट्टियों में कटौती कर दी है। सरकार के रोज रोज नये फरमान से शिक्षक परेशान हो रहे हैं यह कहना गलत नही होगा कि सरकार अप्रत्यक्ष रूप से लगातार शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। इस मौके पर संजय यादव,विनोद राय, अनुज राय, निजाम अहमद,हवलदार मांझी,पीयूष तिवारी,पंकज प्रकाश,रणजीत सिंह,इंद्रजीत महतो,सुमन प्रसाद कुशवाहा, स्वामीनाथन राय,अजित पांडेय,ललन राय,उमेश राय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

युवा क्रांति रोटी बैंक के स्थापना दिवस पर सदस्यों ने किया रक्तदान

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

युवा क्रांति रोटी बैंक के छठे वार्षिकोत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन बल्ड बैंक छपरा में किया गया। रक्तदाता अध्यक्षा नीतू गुप्ता ने कहा कि रक्तदान जैसा महादान कोई दूसरा दान नहीं है। मौके पर संस्थापक ई. विजय राज के द्वारा दर्जनों रक्तवीरों से रक्तदान करवाए गए । उपाध्यक्ष बिंदिया जयसवाल व सीमा जयसवाल ने बताया कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे में कमी हो जाती है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। युवा क्रांति संस्थापक ई० विजय राज ने कहा कि एक यूनिट रक्त से किसी की जान बचाया जा सकता है, इससे बड़ा पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। मीडिया प्रभारी राशिद रिज़वी ने कहा कई बार ऐसी स्थिति देखने में आती है,जिसमें खास तौर पर गर्भवती महिलाएं शामिल होती है, जिनके अंदर रक्त की भारी कमी पाई जाती है तथा डिलीवरी के समय उन्हें रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है।

इस मौके पर सदस्य निशांत गुप्ता, ओम शरण, संदीप मनमन, सौरव श्रीवास्तव, विवेक चौहान, अभिषेक नर्सरी,संतोष सिंह, रवि लड्डु,पिंटू,तारिक अनवर,बंटी तिवारी,जाहिद इकबाल,मोइन अहमद,रंजन गुप्ता आदि उपस्थित रहें ।

आईटीआई कॉलेज मे छात्रों का कैम्पस प्लेसमेंट कराया गया

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी/ खगड़िया|गोगरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बड़ी मलिया के बरहड़ा स्थित रूना चौरसिया आईटीआई कॉलेज मे कैम्पस प्लेसमेंट कराया गया। यह कैम्पस प्लेसमेंट सुजुकी कंपनी का था। इस कैम्पस प्लेसमेंट मे 78 प्रशिक्षणर्थी ने भाग लिया। इसमें से ट्रेड इलेक्टरीशियन एवं फ़ीटर के कुल 26 प्रशिक्षणार्थी का चयन किया गया। यह चयन परीक्षा के इंटरव्यू और मेडिकल के पश्चात किया गया। गोगरी प्रखंड मे इस तरह के प्लेसमेंट होने से विद्यर्थीयो मे ख़ुशी का माहौल व्याप्त है।इस मौके पर उपस्थित संस्थान के डाइरेक्टर इंजीनियर शुभम कुमार, प्राचार्य राजनीती प्रसाद रंजन ने चयनित छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई दिया। साथ ही असफल हुए छात्रों को कहा की मायूस न होकर अगली तैयारी करें और सफल होएं। इस मौके पर इंस्ट्रक्टर पवन कुमार, नीरज कुमार, राजा कुमार, सुनील प्रसाद, सुधीर यादव, प्रभात यादव आदि उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को बधाई दिया। बताते चलें की इसमे सेलेक्शन हुए छात्रों का मंथली सैलेरी साढ़े चौबीस हजार रूपये से शुरू होगी।

तीन ज़िंदा कारतूस के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार , भेजा जेल

गिरफ्तार आरोपी का अपराधिक कुंडली खांगालने में जूटी आनंदपुर पुलिस

दैनिक बिहार पत्रिका/ उमाकांत साह

चांदन/बांका: आनंदपुर थाना क्षेत्र के चांदवारी पंचायत अंतर्गत धावा गांव के अजय कुमार यादव पिता स्वर्गीय पोषण यादव को तीन पीस दशमलव तीन सौ पन्द्रह बोर का जिसमें 8 MM KF अंकित जिंदा कारतूस सहित एक JH 15K 9 4 0 8 हिरो एक्सट्रिम बाइक समेत गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया है। इस आशय कि जानकारी देते हुए आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर विशेष छापेमारी अभियान के तहत ए एस आई सतीष कुमार आदि पुलिस बल द्वारा वाहन जांच के क्रम में केनुआर धावा मुख्य ग्रामीण पथ के बगल पोखर के समीप से धावा गांव निवासी अजय यादव पिता स्वर्गीय पोषण यादव के पास से तीन ज़िंदा कारतूस सहित एक बाइक बरामद किया गया है। साथ ही विस्फोटक पदार्थ मिलने के जूर्म में आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए रविवार को जेल भेज दिया। जबकि पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के क्रम में बताया कि, तीनों कारतूस अपनी सुरक्षा के लिए पास में रखा गया था। वहीं दूसरी ओर सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दबंग प्रवर्ती का है।पिछले एक साल पुर्व आंगनबाड़ी केंद्र का खबर संकलन करने गए स्थानीय पत्रकार के साथ आंगनवाड़ी सेविका कि पति होने के कारण अभद्र व्यवहार किया था और मोबाइल छीनने का प्रयास भी किया था।

विद्यालय मे शिक्षक अभिवावक संगोष्टी का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी /खगड़िया |गोगरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय अनुसूचित जाति मदारपुर मे शिक्षक अभिवावक संगोष्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों के बीच अर्धवार्षिक परीक्षा का प्रगति पत्रक भी बांटा गया। इस मौके पर सभी बच्चे काफी उत्साहित दिखे।

इस संगोष्टी संचालन उक्त विद्यालय के शिक्षक अमित कुमार पांडेय ने किया। इस मौके पर अमित ने कहा की सभी अभिवावक को अपने बच्चो के ऊपर ध्यान देने की जरुरत है। यह जरूर देखें की बच्चे नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे हैं या नहीं। मौके पर उपस्थित प्रधानाध्यापक सुनील कुमार मंडल ने कहा की पढ़ाई से सम्बंधित कोई समस्या हो तो मुझसे मिले ताकि इस समस्या का समाधान किया जा सके। हमलोग चाहते हैं की अधिक से अधिक संख्या मे बच्चे शिक्षित हो सके। अभिवावक शिक्षक संगोष्टी कराने का मुख्य मकसद है की शिक्षक एवं बच्चे के अभिवावक एक दूसरे को बच्चों की भलाई के बारे मे बात कर सके। पढ़ाई मे हो रही समस्या का निदान किया जा सके। इस मौके पर अरविन्द कुमार शर्मा,रंजीत तिवारी,शशि शेखर यादव,अंकुश कुमार, रूबी कुमारी,आशा कुमारी सहित कई शिक्षक एवं अभिवावक मौजूद थे।

तीन बच्चों को मिला माता पिता का प्यार

दैनिक बिहार पत्रिका /छपरा

जीवन की इस भागदौड़ के बीच आकांक्षा वाले में दम्पती जोड़े के लिए शनिवार का दिन खुशियां देने वाला रहा। सारण जिला प्रशासन के द्वारा तीन बच्चों को दत्तकग्रहण की कार्रवाई पूर्ण की गई। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में तीन बच्चों को उनके दत्तकग्राही माता-पिता को अंतिम रूप से सौंपा गया। दत्तकग्रहण की प्रक्रिया पूरी होते ही बच्चे को नए माता-पिता को सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान दम्पती जोड़ों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने भाव विभोर होकर जिला प्रशासन को धन्यवाद प्रेषित किया। तीनों बच्चों को भारत के विभिन्न राज्यों से आए दम्पती ने गोद लिया। दपत्तियों द्वारा बच्चों को गोद लेने के लिए कारा के वेब पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन किया था। बता दें कि समाज कल्याण विभाग अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान सारण के माध्यम से बच्चे को दत्तक ग्रहण की कार्रवाई की जाती है। संस्थान में चिल्ड्रेन इन नीड ऑफ केयर एंड प्रोटेक्शन वाले बच्चों की पूरी सुरक्षा और सुविधाओं के बीच रखकर उनका भरपूर पालन पोषण किया जाता है।

बांका शहर का दुर्गा तालाब हो गया बदहाल, लाखों खर्च कर दो साल पहले कराया गया था जीर्णोद्धार

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: शहर के विजयनगर मोहल्ला स्थित सर्किट हाउस के पीछे स्थित दुर्गा तालाब वर्तमान समय में गंदगी और जलकुंभी से लपालप भरा है. तालाब के चारों ओर लगाए गए फेवर ब्लॉक भी टूट चुके हैं. जिस ओर संबंधित विभाग का कोई ध्यान नहीं है. मालूम हो की 2 साल पहले तत्कालीन जिला पदाधिकारी सुब्रत भगत के कार्यकाल व देखरेख में लाखों खर्च कर तालाब का जीर्णोद्धार किया गया था. शहर में दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन इसी तालाब में किया जाता है. इसलिए तालाब का महत्व और भी बढ़ जाता है.जिला मत्स्य पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मत्स्य जीवी सहयोगी समिति लिमिटेड के द्वारा जिले भर के तालाब के लिए 5 वर्षों के लिए एक बार निविदा निकाला जाता है. निविदा की राशि किस्तों में जमा करना होता है. तालाब जीर्णोद्धार का कार्य जल छाजन भूमि संरक्षण विभाग द्वारा कराया जाता है. जल छाजन भूमि संरक्षण विभाग के पदाधिकारी ने बताया की विभाग से तालाब जीर्णोद्धार का कार्य का नहीं किया जाता है. यहां सिर्फ तालाब की खुदाई के लिए जो आवेदन देते हैं. इस आवेदन पर सुकृति के बाद तालाब की खुदाई करवाई जाती है. जीर्णोधार का कार्य मनरेगा या मानर् इरीगेशन के द्वारा किया जाता है. बताते चलें कि जिले में कुल 849 जलकरों के लिए निविदा 2024-29 ई चौबीस लाख अड़सठ हजार नौ सौ चालीस रुपए में गया है. इसके लिए जिला स्तर पर सहयोग समिति बनाया गया है जिसमें एक सचिव जो की कोषाध्यक्ष भी होता है और एक अध्यक्ष प्रबंध कार्य सदस्य की संख्या 9 कुल 11 सदस्यों इस प्रकार प्रत्येक प्रखंड में भी सहयोग समिति के द्वारा 11 सदस्यों की कमेटी बनाई गई है|

बांका: मां दुर्गा सब्जी हॉट ककवारा में पेयजल संकट

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: ककवारा हॉट पर लगा सरकारी चापाकल आज भी है खराब, जबकि दुर्गा पूजा का मेला सामने है.. मंदिर कमेटी द्वारा शिकायत के बावजूद भी विभाग के द्वारा चापाकल के मरमती का कार्य पूरा नहीं किया गया है. इसकी शिकायत मेला मलिक के द्वारा किए जाने के बावजूद लोगों को पानी पीने की समस्या से जूझना पड़ रहा है. मालूम हो कि तारीख 9 से मेला का शुभारंभ हो जाएगा और हजारों की संख्या में मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने और मेल पहुंचेंगे. लेकिन प्यास बुझाने इधर-उधर भटकना पड़ेगा. क्योंकि दोनों तरफ सरकारी चापाकल खराब पड़ा हुआ है. एक ही मरम्मती की गई थी. लेकिन वह भी पानी न के बराबर देता है. इस पर वहां के हॉट मलिक अजय सिंह ने बताया कि पूर्व में इसकी शिकायत और खबर छपने के बाद एक चापाकल के मरमती का कार्य किया गया था. लेकिन चापाकल में जितना पानी निकालना चाहिए नहीं निकलता है. वही दूसरा चापानला का मरम्मत आज तक नहीं किया गया है. अगर समय रहते इसकी मरम्मत नहीं होती है तो लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ेगा|

गरीबी की वज़ह से कोई बेटी शिक्षा से दूर नहीं रहेंगी : पवन कुमार त्रिभुवन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बौंसी/बांका:बौंसी बाज़ार स्थित एलएनडी प्रोजेक्ट बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में निर्धन छात्राओं के बीच मुफ्त में जूता - मौजा और स्कूल बैग का किया गया वितरण। विभागीय निर्देश के आलोक में गरीबी की वज़ह से जो छात्राएं विद्यालय में नामांकन तक नहीं करवा पाए, वैसे छात्राओं को चिंहित कर नामांकन कराने की जिम्मेवारी विद्यालय प्रधान को दिया गया था। बौंसी के मकरना टीकर से तीन छात्राओं को चिंहित कर विद्यालय में नामांकन करवाया गया। गरीबी की वज़ह से कोई बेटी अशिक्षित न रह जाए,विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक पवन कुमार त्रिभुवन ने छात्राओं की आर्थिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए छात्रा सविता कुमारी, अनिता कुमारी और सरस्वती कुमारी को मुफ्त में जूता - मौजा और स्कूल बैग दिया गया। स्मार्ट आई - कार्ड भी मुफ्त में बनाकर छात्राओं को दिया जाएगा। नयागांव के स्वर्गीय अरूण कुमार पाण्डेय की सुपुत्री ब्यूटी कुमारी और सुमन कुमारी की गरीबी की वज़ह से पढ़ाई बाधित हो रहा था। विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा मुफ्त में इंटरमीडिएट में दोनों बहनों का नामांकन और बिहार बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीयन भी मुफ्त में करा दिया गया है। विद्यालय प्रधानाध्यापक ने छात्राओं से स्पष्ट कहा है कि किसी छात्राओं को कोई भी समस्या हो शीघ्र आकर अपनी समस्या बताये। शिक्षा प्राप्त करने में गरीबी आढ़े नहीं आने दिया जाएगा।

मौके पर वरीय शिक्षिका अनुकृति आनंद, गिरिधर पासवान, विश्वजीत कुमार, पंकज कुमार, संजु कुमारी, कार्यालय सहायक निलेश कुमार परिचारी जनार्दन यादव, अंकित कुमार सहित अन्य छात्राएं मौजूद थे।

पुलिस ने एक शराबी एवं एक वारंटी को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/ब्रजेश राठौर

पंजवारा/बांका: शनिवार रात पंजवारा थाना की पुलिस ने एक शराबी एवं एक वारंटी को गिरफ्तार किया । इसकी जानकारी देते हुए पंजवारा थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शनिवार रात पंजवारा चेक पोस्ट पर चलाये जा रहे जांच अभियान अभियान के दौरान शराब के नशे के हालात में एक युवक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शराबी की पहचान भागलपुर जिला के बरारी थाना क्षेत्र के बड़ी खंजरपुर निवासी राधे यादव के पुत्र मुकेश कुमार के रूप में हुई। जो झारखंड के गोड्डा जिला की तरफ से शराब का सेवन करके आ रहा था मेडिकल जांच में उसके शराब पीने की पुष्टि हुई । वहीं एक वारंटी को भी गिरफ्तार किया गया।जिसकी पहचान पंजवारा थाना क्षेत्र के सबलपुर निवासी अरविंद हरिजन पिता स्व मनु हरिजन के रूप में हुई। जिसपर सक्षम न्यायालय बांका से गैरजमानती वारंट जारी हुआ था।तीनों को न्यायिक हिरासत में बांका भेज दिया गया।

आपराधिक एवं असामाजिक तत्वों पर जिला प्रशासन की है कड़ी नजर

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: जिले में अनुमंडल पदाधिकारी के स्तर से कुल 1264 लोगों पर बंधपत्र जारी किया गया । दशहरा को लेकर जिला प्रशासन सभी प्रकार की करवाई कर रहा है। पूरे जिला में दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के प्रतिनियुक्ति अलग-अलग पूजा पंडालों के लिए की गई है । वहीं तेलडीहा मंदिर के लिए जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के स्तर से कई दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी की प्रति नियुक्ति की अलग अलग स्थानों पर की गई है। जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर भी नजर बनाए रखे हुए हैं। किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा अफवाह फैलाने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी । जिला प्रशासन ने जिला वासियों से अनुरोध किया है कि वह प्रशासन का सहयोग करें और ऐसे किसी भी असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें और किसी प्रकार की प्रतिकूल सूचना प्राप्त होने पर अबिलंब जिला प्रशासन को सूचित करें। स्थानीय स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी और थाना अध्यक्ष को भी सूचित कर सकते हैं । इसी कड़ी में 5 अक्टूबर को दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी के साथ संयुक्त ब्रीफिंग की गई थी ।

65 वर्षों में पहली बार पीबीएस कॉलेज में मनाया जाएगा स्थापना दिवस को लेकर बैठक आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बांका: पंडित बलिराम शर्मा महाविद्यालय बांका के सभागार में रविवार को 23 अक्टूबर 2024 को होने वाले स्थापना दिवस समारोह के आलोक में पूर्ववर्ती छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आम नागरिकों की बैठक प्रो अरविंद कुमार साह ,प्राचार्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई । प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि महाविद्यालय का स्थापना 23 अक्टूबर 1959 ई० में हुआ था ।65 साल की सफर में महाविद्यालय के प्रांगण में कभी भी स्थापना दिवस नहीं मनाया गया था । इसलिए यह स्थापना दिवस हीरक प्लस जयंती के रूप में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की स्थापना करने वाले परिवार के लोगों को सम्मानित करने का फैसला किया गया है ।साथ ही वैसे पूर्ववर्ती छात्र जो बिहार या बिहार से बाहर सरकार में उच्च पदों पर आसीन हैं उन्हें भी आमंत्रित कर सम्मानित करने का काम किया जाएगा ।इसके साथ ही बांका जिला के सभी विधानसभा सदस्य एवं सांसद को आमंत्रित कर इस समारोह को ऐतिहासिक बनाने का काम किया जाएगा । समारोह के उद्घाटनकर्ता और मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो जवाहर लाल, तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर के होंगे ।महाविद्यालय के वर्सर डॉ सुरेश बिंद ने कहा कि इस कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय पुनः अपने अस्तित्व में आ जायेगा ।इसके लिए महाविद्यालय परिवार सक्रिय होकर के अपनी भूमिका निभा रहे हैं। बैठक में महेश्वरी प्रसाद यादव, अधिवक्ता गुड्डू यादव छात्र नेता धर्मेंद्र कुमार सिंह महासचिव जिला विधिज्ञ संघ ,बांका, चंद्रशेखर पंजियार, शाखा प्रबंधक ,चंदन कुमार, मनोज कुमार, अनिल कुमार सिंह जिला पार्षद ,संजीव कुमार सिंह जयशंकर प्रसाद, सभी पूर्ववर्ती छात्र अपने संबोधन में महाविद्यालय के विकास पर प्रभावशाली वक्तव्य दिए । इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के सम्मानित शिक्षक प्रो श्रवण कुमार, प्रो राजेंद्र कुमार, प्रो सुभाजित सिकंदर वगैरह उपस्थित थे । बैठक में सभी आगंतुक अतिथियों ने सामूहिक रूप से स्थापना दिवस मनाने के लिए आर्थिक सहयोग देने का वचन दिए ।

मुज़फ्फरपुर के अनुभव राज को मिला भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री सम्मान

दैनिक बिहार पत्रिका

कुमार चंदन, पटना/बिहार: राजधानी पटना के विद्यापति भवन मेंलाल बहादुर विचार मंच के अध्यक्ष अजय वर्मा द्वारा आयोजित भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की 120 वीं जयंती समारोह में मुजफ्फरपुर निवासी अनुभव राज को उनके साहित्य, समाज और विकलांगता के क्षेत्र में किए गए कार्य को देखते हुए ' बहु- प्रतिभा' के क्षेत्र में 'भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर डी के श्रीवास्तव द्वारा शॉल, प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर किया गया। उल्लेखनीय है कि अनुभव अभी लंगट सिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर से हिंदी में स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। वे सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित हैं किंतु उनमें गज़ब का हौसला और सकारात्मक सोच है। बाल साहित्य में उनकी एक किताब ' चिड़ियों का स्कूल ' 2022 में आई है जो चर्चित रही है। उनकी एक कविता ' माँ' एनसीईआरटी की कक्षा दो की हिंदी की पाठ्यपुस्तक सारंगी में भी शामिल है। अनुभव एक दिन के बिहार राज्य नि:शक्तता आयुक्त भी बन चुके हैं और इस दौरान उनके दो आदेश भी पारित हुए हैं। अनुभव को कविताएं लिखना, भ्रमण करना , ब्लॉगिंग करना और लोगों से मिलना बहुत पसंद है। इसके पूर्व भी अनुभव कई सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं जिनमें श्री ग्यासीराम गोयल हिंदी बाल साहित्य सम्मान 2021, स्पार्क ऑफ किलकारी 2022, विद्यादेवी खन्ना बाल साहित्य सम्मान 2023, अदबी उड़ान विशिष्ट साहित्यकार सम्मान 2023 आदि प्रमुख हैं।

पंचायत प्रवेश द्वार का सांसद व विधायक ने किया उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

बौंसी/बांका: बौंसी प्रखंड अंतर्गत गोकुला गांव समीप पंचायत प्रवेश द्वार का बांका सांसद गिरधारी यादव एवं कटोरिया विधायक डॉ निक्की हेंब्रम के द्वारा रविवार को उद्घाटन किया गया । मालूम हो कि 15 में वित्त आयोग योजना से 859210 की राशि से पंचायत प्रवेश द्वार का निर्माण कराया गया है । सांसद एवं विधायक के द्वारा प्रवेश द्वार के समीप सबसे पहले दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत फीता काटकर पंचायत प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया गया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि प्रवेश द्वार का निर्माण होना पंचायत के विकास को दर्शाता है । उन्होंने स्थानीय लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को आगे बढ़ाने की अपील की । साथ ही मुखिया सीता देवी ने भी कार्यक्रम को संबोधन किया । मौके पर कटोरिया विधायक डॉक्टर निक्की हेम्ब्रम ने भी लोगों को कहा कि क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किया जा रहा है । मौके पर अन्य नेता गण सहित गणमान्य लोग एवं स्थानीय लोग मौजूद थे ।

भारतीय सेना का जवान मानसिक रूप से कुंठित एवं प्रतिशोध की भावना से ग्रसित

लगातार वरीय पदाधिकारी को किया जा रहा गुमराह

4 महीने पूर्व "दैनिक बिहार पत्रिका" डिजिटल अखबार से निष्कासित पत्रकार अमित कुमार झा के द्वारा "दैनिक बिहार पत्रिका" का टैग लगाकर इस खबर को 01 अक्टूबर 2024 को फर्जी तरीके से अखबार डिजाइन कर प्रकाशित किया गया था, जिस खबर की पुष्टि 'दैनिक बिहार पत्रिका' नहीं करती है। साथ ही बैनर के नाम का सहारा लेकर फर्जी तरीके से खबर प्रकाशित करने के आरोप में उन पर कार्रवाई की मांग करती है।

नवगाछिया:दुर्गा पूजा की खरीदारी पर बाढ़ का असर

दैनिक बिहार पत्रिका/ नवगाछिया

गंगा-कोसी नदी में आई बाढ़ का असर नवगाछिया बाजार की खरीदारी पर पड़ा है। बाढ़ का पानी आने से जहां लोगो के घरों में पानी घुसा हुआ है वहीं लोग सड़कों-बांधों पर शरण लिए हुए है ऐसे में दुर्गा पूजा का उत्साह ठंडा पड़ गया है और लोग पूजा की खरीदारी नहीं कर रहे हैं।

दुकानदारों के चेहरे पर मायूसी छाई हुई है। व्यवसायियों का कहना है कि इस बार पहले गंगा का पानी फिर कोसी का पानी आने से बाजार मे इसका काफी असर देखने को मिल रहा है, हमलोगों ने कभी भी दुर्गा पूजा में बाजारों में ऐसा सन्नाटा नहीं देखा।

पंडाल सजाने का कार्य अंतिम चरण में, मां की प्रतिमा को भी अंतिम रूप दे रहे हैं मूर्ति कलाकार

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी/ खगड़िया| शारदीय नवरात्र शुरु होने के साथ मंदिरों से लेकर घरों तक श्रद्धा और भक्ति की बयार बहने लगी है. सुबह होते ही मंदिरों में मां की आराधना शुरू हो जाती है. भक्ति गीत गूंजने लगते हैं. पूजन पाठ शुरू हो जाता है. वहीं घरों में भी श्रद्धालु पूजा अर्चना में डूब जाते हैं. इससे शहर से लेकर गांव तक मां की अराधना में पूरा माहौल भक्ति में परिणत हो जाता है. रविवार को मां के चतुर्थ रूप कूष्मांडा की पूजा अर्चना की गयी. इसे लेकर श्रद्धालुओं में भक्ति भाव का नजारा सभी पूजन स्थलों पर देखा गया. मां की पूजा अर्चना और मंदिरों में भक्ति की गूंज से श्रद्धालु भी सुबह होने के साथ मंदिरों की ओर चल पड़ते हैं और माता के चरणों में व मंदिरों के आगे माथा टेक मां का आशीर्वाद लेते हैं. इधर, जैसे जैसे पूजन के रहे और मां की पूजा अर्चना और पट खुलने के दिन आ वैसे मंदिरों में पूजन के लिए मंदिर से लेकर बाहरी परिसर में पंडाल लगाने की तैयारी कर दी गयी है. सभी दुर्गा मंदिरों में मां दुर्गा के प्रतिमा को मूर्ति कलाकार अंतिम रूप देने में लगे हैं. वहीं लाल दुर्गा मंदिर गोगरी और बड़ी दुर्गा मंदिर जमालपुर हटिया में पंडाल का निर्माण तेजी से चल रहा है. यहां श्रद्धालुओं को पूजन के दौरान भव्य तोरण द्वारा का भी दर्शन होगा. इसी तरह से शहर के चर्चित राजगढ़ बनेली दुर्गा मंदिर व वैष्णवी दुर्गा मंदिर रजिस्ट्री चौक के सामने भी भव्य पंडाल का निर्माण कार्य चल रहा है. पूजन समिति के सदस्य बताते हैं कि यहां षष्ठी पूजन तक पंडाल को सजाने का काम कर दिया जायेगा|

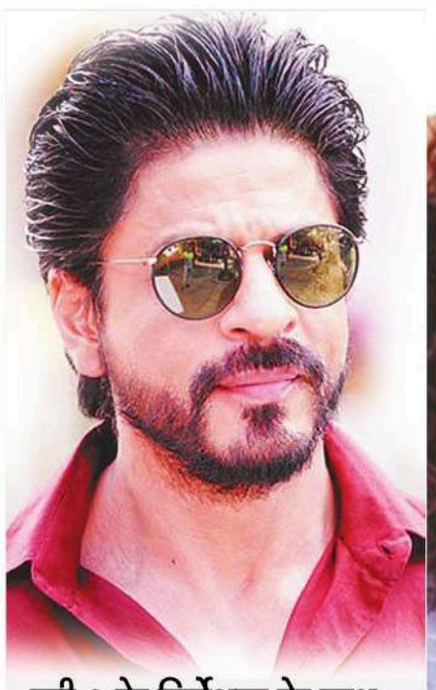

स्त्री 2 के निर्देशक के साथ काम करेंगे शाहरुख खान? फिल्म को लेकर आई बड़ी जानकारी

पठान, जवान और डंकी से साल 2023 में धमाल मचाने वाले शाहरुख खान की इस कोई भी फिल्म इस साल पर्दे पर नहीं आई है। वह इन दिनों अपनी मेगा एक्शन मनोरंजक फिल्म किंग की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस बीच उनकी एक और फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। कई समाचार वेबसाइट्स में छपी खबरों की मानें तो किंग और पठान 2 जैसी मारधाड़ वाली फिल्मों के बीच शाहरुख खान एक हल्की-फुल्की मनोरंजक फिल्म में काम करने का विचार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि किंग खान इस समय अपनी इस आगामी फिल्म के लिए बातचीत को अंतिम रूप दे रहे हैं।

एडवेंचर फिल्म में काम करेंगे शाहरुख

रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेता एक एडवेंचर फिल्म के लिए अमर कौशिक और मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों पक्षों के बीच तीन दौर की चर्चा पहले ही हो चुकी है।

अमर कौशिक से चल रही बात

रिपोर्ट में किंग खान के करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है, शाहरुख खान ने पिछले कुछ महीनों में लगभग हर फिल्म निर्माता से मुलाकात की है। उनके पास उनके लिए जो भी आइडिया आए उन्होंने उन्हें सुना, लेकिन कुछ भी उन्हें उत्साहित नहीं कर सका। अब शाहरुख खान अमर कौशिक और दिनेश विजान की स्त्री 2 टीम के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा माना जा रहा है कि अमर और दिनेश स्त्री की तरह एक एडवेंचर पर आधारित सफल फ्रैंचाइजी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, शाहरुख ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन उनके और फिल्म की टीम के बीच और मीटिंग होने की उम्मीद है। यह फिल्म स्त्री यूनिवर्स का हिस्सा नहीं होगी।

कब शुरू होगी शूटिंग?

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि शाहरुख राज और डीके के साथ कॉमिक-एक्शन थ्रिलर के बारे में अलग से चर्चा कर रहे हैं। कथित तौर पर अब उनके पास फिल्म के लिए दो विकल्प हैं, जिन्हें वह किंग को खत्म करने के बाद और पठान 2 शुरू करने से पहले करना चाहते हैं। फिल्म किंग की बात करें तो इसमें शाहरुख खान के साथ सुहाना खान और अभिषेक बच्चन भी हैं। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू होगी। वह अगले साल के अंत तक या 2026 की शुरुआत में पठान 2 शुरू कर सकते हैं।

अभिनय के साथ फिल्म निर्माता भी हैं ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन जल्द ही बतौर निर्माता अपनी शुरुआत करने वाली हैं। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। इस बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म दो पत्ती है, जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। कृति से पहले और भी बहुत सी अभिनेत्रियां फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख चुकी हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं...

कृति सेनन बॉलीवुड की खूबसूरत और प्रतिभाशाली अदाकाराओं में से एक हैं। अपने शानदार अभिनय की वजह से वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीत चुकी हैं। अभिनय के बाद अब वह जल्द ही बतौर निर्माता अपनी शुरुआत करने वाली हैं। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है, जिसका नाम उन्होंने ब्लू बटरफ्लाइ रखा है। इस बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म दो पत्ती है, जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इसमें कृति सेनन और काजोल मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। कृति से पहले और भी बहुत सी अभिनेत्रियां फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख चुकी हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपनी शुरुआत के बाद आलिया ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिनय के साथ अब वह फिल्मों का निर्माण भी करती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस है। फिल्म डार्लिंग के साथ बाद वह जिगरा के निर्माताओं में से भी एक हैं।

दीपिका पादुकोण

ओम शांति ओम से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली दीपिका आज किसी पहचान की मोहताज नहीं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करने के बाद उन्होंने फिल्म छपाक से निर्माता के तौर पर अपनी शुरुआत की थी। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम केए प्रोडक्शंस है।

प्रियंका चोपड़ा

हिंदी फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाने के बाद प्रियंका अब विदेशी प्रोजेक्ट्स में भी काम करके अपना जादू बिखेर रही हैं। वह जल्द ही सिटाडेट के अगले भाग में भी नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री होने के साथ प्रियंका फिल्म निर्माता भी हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम पर्पल पेबेल पिक्चर्स है।

कंगना रनौत

इस लिस्ट में कंगना रनौत का नाम भी शामिल है। कंगना ने अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। फिल्म में अपनी अदाकारी का दिखाने के बाद उन्होंने फिल्म निर्माण में भी कदम रखा। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम मणिकर्णिका फिल्म्स है। इंदिरा गांधी पर आधारित फिल्म इमरजेंसी इसी बैनर तले बनी है।

द केरल स्टोरी को मिली आलोचनाओं को लेकर बोलीं अदा

अदा शर्मा को उनकी फिल्म द केरल स्टोरी की वजह से काफी चर्चा मिली है। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित ये फिल्म काफी विवादों में भी रही थी। फिल्म में योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदनानी सहित कई बेहतरीन कलाकार भी नजर आए थे। हाल में ही अदा शर्मा कॉमडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट पर नजर आई हैं। इस बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण के दौरान आने वाली कठिनाईयों के बारे में खुलकर बात की है।

द केरल स्टोरी को मिली आलोचनाओं पर बोलीं अदा

अभिनेत्री ने इस बातचीत के दौरान बताया कि फिल्म को किस तरह रिलीज से पहले ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म का कोई प्रीमियर भी नहीं हुआ और इससे जुड़े कई इंटरव्यू भी अंतिम समय में रद्द कर दिए गए। अभिनेत्री ने आगे बताया कि फिल्म के प्रचार पर भी काफी प्रतिबंध लगाया गया, जिसके अंतर्गत कई क्षेत्रों में होर्डिंग और पोस्टर तक लगाने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, तमाम प्रतिबंधों का सामना करने के बाद भी फिल्म ने शानदार सफलता हासिल करते हुए बॉक्स ऑफिस पर लगभग 300 करोड़ की कमाई की थी।

फिल्म ने तमाम आलोचनाओं के बाद भी तोड़े रिकॉर्ड

भारती के यूट्यूब चैनल भारती टीवी पर अभिनेत्री ने कहा,जब द केरल स्टोरी कर रहे थे, तो मुझे नहीं लगा कि हम कुछ पॉलिटिकल कर रहे हैं। मुझे लगा कि यह एक लड़की की कहानी है और यह आईएसएस के बारे में है। ये लोग लड़कियों को आत्मघाती हमलावर बना रहे हैं और हम सभी आतंकवादियों के खिलाफ हैं। फिल्म उसी के बारे में थी। अभिनेत्री ने फिल्म को रिलीज से पहले मिली आलोचनाओं को लेकर कहा कि इसके बावजूद, फिल्म ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई।

रीता सान्याल में आएंगी नजर

अभिनेत्री ने आगे कहा, रिलीज से 10 दिन पहले लगातार गालियां दी जा रही थीं, मैं सब पर प्रतिक्रिया भी दे रही थी और मैं सोच रही थी कि इंतजार करो और फिल्म देखो। ये 2 मिनट के ट्रेलर पर क्या कर रहे हो तुम लोग। फिर आखिरकार, जब फिल्म रिलीज हुई, तो हर कोई शांत था। बात करें अदा के वर्क फ्रंट की, तो वह जल्द ही वेब सीरीज रीता सान्याल में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन अभिरूप घोष ने किया है। यह शो 14 अक्टूबर, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर प्रीमियर होगा। यह सीरीज रीता सान्याल पर आधारित है, जो एक वकील है, जो जटिल कानूनी मामलों से निपटने के लिए जानी जाती है।

लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान रातभर रोती थीं तृप्ति डिमरी

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याति मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुई तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया कि लैला मजनू की शूटिंग के दौरान वह घर जाकर रोती थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब वह मुंबई आई तो उन्हें अभिनय का ए भी नहीं पता था। हाल ही में एक इंटरव्यू में, तृप्ति ने साझा किया कि उन्हें शुरू में अभिनय का कोई शौक नहीं था और उन्होंने इसे करियर विकल्प नहीं माना। अभिनेत्री ने कहा, मैं बस कुछ अलग करना चाहती थी। मैं कभी भी एकेडमिक में अच्छी नहीं थी। मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं मॉडलिंग आजमाने जा रही हूं।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता शुरू में उनके मुंबई जाने को लेकर काफी डरे हुए थे, खासकर क्योंकि वह एक शर्मीली, इंट्रोवर्ट थीं, जिन्होंने कभी दिल्ली से बाहर कदम नहीं रखा था। वे पहले इंडस्ट्री या मॉडलिंग में प्रवेश करने के उसके फैसले से भी खुश नहीं थे। फिर भी उन्होंने आगे बढ़ाने का फैसला किया ताकि बाद में उन्हें पछतावा न हो। तृप्ति ने आगे बताया कि सालों बाद उन्हें 2017 की फिल्म पोस्टर बॉयज में एक भूमिका मिली। लेकिन सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करना उनके लिए मुश्किल था क्योंकि उन्हें अभिनय का ए नहीं पता था। इसलिए, उनके अनुसार, उन्होंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आगे उन्होंने बताया कि लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान घर आकर रोती थीं।

टाइम 100 की सूची में पायल कपाड़िया ने बनाई जगह

फिल्म निर्माता-निर्देशक पायल कपाड़िया ने टाइम 100 की सूची में जगह बनाई है। इस लिस्ट में अलग-अलग क्षेत्र की सबसे प्रभावी हस्तियों को शामिल किया जाता है। इसमें पायल का नाम भी दर्ज हुआ है। बता दें कि पायल कपाड़िया को उनकी पहली फीचर फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट के जरिए काफी लोकप्रियता मिली है। इसके लिए उन्हें प्रतिष्ठित कान पुरस्कार समारोह में ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार भी दिया गया।

क्या बोले आयुष्मान खुराना?

पायल कपाड़िया का नाम टाइम 100 में शामिल किए जाने पर अभिनेता आयुष्मान खुराना ने उनकी तारीफ करते हुए एक नोट लिखा है। एक्टर-सिंगल आयुष्मान खुराना ने पायल के लिए एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने उनकी प्रतिभा की तारीफ की। साथ ही मानवीय अनुभव को बड़े परदे पर उतारने की उनकी काबिलियत को भी सराहा।

इस साल फिल्म ने रचा था इतिहास मई में, कपाड़िया की फिल्म ने प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में 30 वर्षों में प्रतियोगिता के लिए चयनित होने वाली भारत की पहली फिल्म बनकर इतिहास रच दिया। मई में कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में इतिहास रच दिया। यह 30 वर्षों में इस पुरस्कार समारोह में चयनित भारत की पहली फिल्म बनी और इसे पुरस्कार भी मिला।

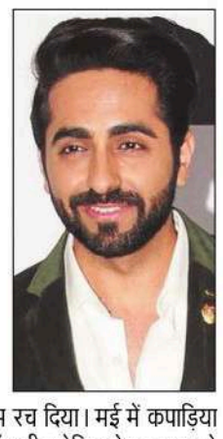

कौन हैं पायल कपाड़िया?

पायल कपाड़िया का जन्म मुंबई में हुआ। उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक किया। इसके बाद एक वर्ष की मास्टर डिग्री सोफिया कॉलेज से की। इसके बाद वे फिल्म निर्देशन की पढ़ाई करने फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया गईं। एफटीआईआई में पायल अपने दूसरे प्रयास में सफल हो पाईं। बतौर निर्माता पायल ने 2014 में फिल्म वाटरमैलन, फिश एंड हाफ घोस्ट से डेब्यू किया। यह एक शॉर्ट फिल्म है, जिसका निर्देशन पायल ने किया। इसके बाद इन्होंने कुछ और शॉर्ट फिल्मों का निर्देशन किया। इनमें आफ्टरनून क्लाउड्स, द लास्ट मैंगो बिफोर द मॉनसून और एंड व्हाट इज द समर सेइंग शामिल हैं। वर्ष 2021 में उन्होंने ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग डॉक्यूमेंट्री बनाई।

निर्देशक सुजॉय घोष ने की आलिया भट्ट के अभिनय की तारीफ

अभिनेत्री आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म जिगरा 11 अक्टूबर 2024 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आलिया भट्ट की इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस ट्रेलर को प्रशंसको का बहुत सारा प्यारा मिला है। प्रशंसकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री की ओर से फिल्म को बहुत सारा प्यार मिला है। इस फिल्म को लेकर अब सुजॉय घोष ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद उन्होंने आलिया भट्ट की तारीफ की है। अपने ट्विटर अकाउंट पर सुजॉय घोष ने लिखा आपने जिगरा का ट्रेलर देखा न? आलिया भट्ट को इस अवतार में देखकर काफी अच्छा महसूस हुआ। निर्देशक सुजॉय घोष की ओर से आलिया की तारीफ को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है। सुजॉय घोष को कहानी, कहानी 2, लस्ट स्टोरीज, कहानी, बदला जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

नवरात्र में इन नियमों का पालन करना बहुत जरूरी

शास्त्रों और पुराणों के अनुसार शारदीय नवरात्र अधिक महत्वपूर्ण है। प्राचीन काल में नवसंवत्सर से आरंभ होने वाला नवरात्र ही अधिक प्रचलित था। लेकिन कलियुग में शारदीय नवरात्र का महत्व बढ़ गया है। शास्त्रों में नवरात्र को आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का समय माना गया है। इसलिए नवरात्र के कई नियम हैं जिनका पालन व्रत करने वालों और जो व्रत नहीं करते हैं उन्हें भी करना चाहिए।

शुद्धता और पवित्रता जरुरी

नवरात्र शुद्धता से जुडा पर्व है, जिसमें नौ दिनों तक पूर्ण पवित्रता और सात्विकता बनाए रखते हुए देवी के नौ स्वरूपों की आराधना करने का विधान है। इसलिए नवरात्र के दिनों बहुत से श्रद्धालु कपडे धोने, शेविंग करने, बाल कटाने और पलंग या खाट पर सोने से बचते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार

नवरात्र में व्रत के समय बार-बार पानी पीने, दिन में सोने, तम्बाकू चबाने और स्त्री के साथ संबंध बनाने से भी व्रत खंडित हो जाता है। यानी नवरात्र में पति-पत्नी को साथ सोने से भी बचना चाहिए।

नहीं होता विवाह

नवरात्र के दिनों में विवाह का आयोजन भी नहीं होता है। इसका प्रमुख कारण यह है कि विवाह का उद्देश्य वंश वृद्धि यानी संतान की उत्पत्ति है। जबकि नवरात्र के दिनों में काम और स्त्री प्रसंग से दूर रहने का नियम है। यह भक्ति और आस्था में डूबने का समय होता है। विवाह संस्कार होने से मां की आराधना से व्यक्ति वंचित हो सकता है।

रात्रि में पूजा

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि नवरात्र के दिनों में रात्रि के समय देवी की पूजा अधिक फलदायी होती है क्योंकि देवी रात्रि स्वरुप हैं और भगवान शिव दिन के स्वरूप। इसलिए नवरात्र के दिनों में मन को एकाग्र करके देवी में ही लगाना चाहिए न कि अन्य चीजों में।

ब्रह्मचर्य का पालन

नवरात्रों में लोग अनेक नियमों का भी पालन करते हैं। ऐसा ही एक नियम है नवरात्रों के दौरान खुद को शारीरिक संबंध बनाने से दूर रखना है। जिस बिस्तर पर पति-पत्नी शारीरिक सम्बन्ध बनाते हैं उसी को छूकर देवी का आह्वान करना अशुद्ध माना जाता है। आप अशुद्ध मन से देवी मां की पूजा कर नहीं सकते इसलिए कम से कम उन नौ दिनों तक खुद पर नियंत्रण रखिए जिस दौरान स्वयं देवी मां हमारे घर पधारती हैं।

जाने विदेशों में स्थित मां दुर्गा के शक्ति पीठों के बारे में

नवरात्रि शुरू होते ही मां के शक्तिपीठों में जयकारे लगने लगते हैं। इन नौ दिन हर दिन अलग-अलग देवियों की पूजा की जाएगी। नवरात्रि में शक्तिपीठों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का विशेष महत्व होता है।

क्या हैं शक्ति पीठ

धर्मग्रंथों तथा पुराणों के अनुसार जहां-जहां सती के अंग के टुकड़े, धारण किए वस्त्र या आभूषण गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। ये अत्यंत पावन तीर्थ कहलाये। ये तीर्थ पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर फैले हुए हैं। देवी पुराण में 51 शक्तिपीठों का वर्णन है। हालांकि देवी भागवत में जहां 108 और देवी गीता में 72 शक्तिपीठों का जिक्र मिलता है, वहीं तन्त्रचूडामणि में 52 शक्तिपीठ बताए गए हैं। देवी पुराण में जरूर 51 शक्तिपीठों की ही चर्चा की गई है। इन 51 शक्तिपीठों में से कुछ विदेश में भी हैं और पूजा-अर्चना द्वारा प्रतिष्ठित हैं। आईये जानते हैं विदेशों में स्थित शक्ति पीठों के बारे में-

यशोर शक्तिपीठ

यह शक्तिपीठ वर्तमान बांग्लादेश में खुलना जिले के जैसोर नामक नगर में स्थित है। यहां सती की 'वाम' का निपात हुआ था।

चट्टल शक्तिपीठ

चट्टल में माता सती की 'दक्षिण बाहु' गिरी थी। यहां माता सती को 'भवानी' तथा भगवान शिव को 'चंद्रशेखर' कहा जाता है। बाग्लादेश में चटगांव से 38 किमी दूर सीताकुंड स्टेशन के पास चंद्रशेखर पर्वत पर भवानी मंदिर है। यही 'भवानी मंदिर' शक्तिपीठ है।

करतोयाघाट शक्तिपीठ

यहाँ माता सती का 'वाम तल्प' गिरा था। यहाँ माता 'अपर्णा' तथा भगवन शिव 'वामन' रूप में स्थापित है। यह स्थल बांग्लादेश में है। बोगडा स्टेशन से 32 किमी दूर दक्षिण-पशचिम कोण में भवानीपुर ग्राम के बेगड़ा में करतोया नदी के तट पर यह शक्तिपीठ स्थित है।

सुगंधा शक्तिपीठ

बांग्लादेश के बरीसाल से 21 किलोमीटर उत्तर में शिकारपुर ग्राम में 'सुंगधा' नदी के तट पर स्थित 'उग्रतारा देवी' का मंदिर ही शक्तिपीठ माना जाता है। इस स्थान पर सती की 'नासिका' का निपात हुआ था।

हिंगलाज शक्तिपीठ

यहाँ माता सती का 'ब्रह्मरंध्र' गिरा था। यहाँ माता सती को 'भैरवी/कोटटरी' तथा भगवन शिव को 'भीमलोचन' कहा जाता है। यहाँ शक्तिपीठ पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त के हिंगलाज में है। हिंगलाज कराची से 144 किमी दूर उत्तर-पश्चिम दिशा में हिंगोस नदी के तट पर है। यही एक गुफा के भीतर जाने पर मां आदिशक्ति के ज्योति रूप के दर्शन होते हैं।

गुह्येश्वरी शक्तिपीठ

नेपाल में 'पशुपतिनाथ मंदिर' से थोड़ी दूर बागमती नदी की दूसरी ओर 'गुह्येश्वरी शक्तिपीठ' है। यह नेपाल की अधिष्ठात्री देवी हैं। मंदिर में एक छिद्र से निरंतर जल बहता रहता है। यहाँ की शक्ति 'महामाया' और शिव 'कपाल' हैं।

गण्डकी शक्तिपीठ

नेपाल में गण्डकी नदी के उद्गमस्थल पर 'गण्डकी शक्तिपीठ' में सती के 'दक्षिणगण्ड' का पतन हुआ था। यहां शक्ति त्राण्डकीस तथा भैरव त्र्चक्रपाणिस हैं।

लंका शक्तिपीठ

श्रीलंका में, जहां सती का 'नूपुर' गिरा था। यहां की शक्ति इन्द्राक्षी तथा भैरव राक्षसेश्वर हैं। लेकिन, उस स्थान ज्ञात नहीं है कि श्रीलंका के किस स्थान पर गिरे थे।

मानस शक्तिपीठ

यहां माता सती की 'दाहिनी हथेली' गिरी थी। यहाँ माता सती को 'दाक्षायणी' तथा भगवान शिव को 'अमर' कहा जाता है। यह शक्तिपीठ तिब्बत में मानसरोवर के तट पर स्थित है।

क्यों जलाते हैं नवरात्र में अखंड ज्योत

शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की। तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमश : अलग-अलग पूजा की जाती है।नवरात्र के नौ दिन माता के सामने अखंड ज्योत जलाई जाती है।यह अखंड ज्योत माता के प्रति आपकी अखंड आस्था का प्रतीक मानी जाती है। क्या आपको पता है कि यह अखंड ज्योत क्यों जलाई जाती है। ज्योतिषविदों की माने तो यह अखंड ज्योत इसलिए भी जलाई जाती है कि जिस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी छोटा का दीपक अपनी लौ से अंधेरे को दूर भगाता रहता है उसी प्रकार हम भी माता की आस्था का सहारा लेकर अपने जीवन के अंधकार को दूर कर सकते हैं। मान्यता के अनुसार दीपक या अग्नि के समक्ष किए गए जप का साधक को हजार गुना फल प्राप्त हो है। कहा जाता है कि घी युक्त ज्योति देवी के दाहिनी ओर तथा तेल युक्त ज्योति देवी के बाईं ओर रखनी चाहिए। अखंड ज्योत पूरे नौ दिनों तक अखंड रहनी चाहिए यानी जलती रहनी चाहिए।

इन मंत्रों से मां दुर्गा को करें प्रसन्न

यूं तो सच्चे मन से की गई प्रार्थना से मां भक्तों के मन की कामना को पूर्ण करती हैं लेकिन कुछ मंत्र हैं जो हमें सौभाग्य और आरोग्य दिलवाने में मददगार हैं।

सर्वकल्याण के लिए

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्येत्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।

आरोग्य व सौभाग्य प्राप्ति के लिए

देहि सौभाग्यं आरोग्यं
देहि में परमं सुखम।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोजहि।।

दरिद्रता नाश के लिए

दुर्गेस्मृता हरसि भतिमशेशजन्तो :
स्वस्थै : स्मृता मतिमतीव शुभां ददासि।
दरिद्रयदुखभयहारिणी कात्वदन्या
सर्वोपकारकरणाय सदार्द्रचित्ता।।

शत्रुनाश के लिए

ऊं हीं बगलामुखी सर्वदुष्टानां वाचं
मुखं पदं स्तंभव जिह्वाम कीलय
बुद्धिमविनाशाय
हीं ऊं स्वाहा।।

विपत्तिनाशक मंत्र

शरणागतर्दिनार्त परित्राण पारायणे।
सर्वस्यार्तिं हरे देवि नारायणि
नमोस्तुते।।

इस नवरात्रि में लक्ष्मी को करें प्रसन्न

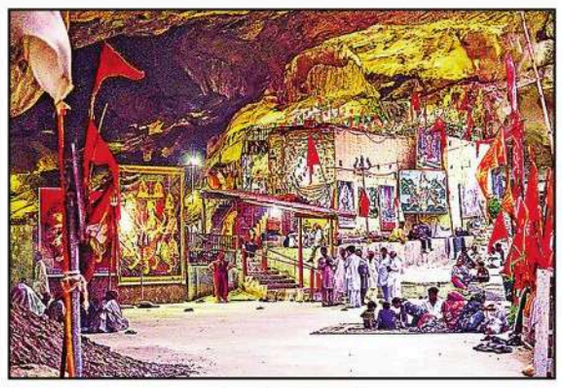

पूरे देश में नवरात्रि का उत्साह महसूस किया जा सकता है। मां के भक्त देवी के अलग-अलग रूपों की आराधना करेंगे। कोई मां दुर्गा, तो कोई मां काली को प्रसन्न कर मनचाहा आशीर्वाद मांगेंगा। मां दुर्गा के बारे में कहा जाता है कि सच्चे मन से उनकी आराधना करने से हर मनोकामना पूरी होती है। धर्मग्रंथों में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं कि जिनका पालन करने से मां दुर्गा प्रसन्न होंगी और घर में धन-वैभव आएगा। यानी मां दुर्गा की आराधना कर मां लक्ष्मी को भी प्रसन्न किया जा सकता है। एक नजर इसी से जुड़ी अहम बातों पर

- नवरात्रि के सभी नौ दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना चाहिए। इसके बाद घर में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित करना चाहिए। पीला आसन बिछाकर मूर्ति के आगे बैठकर पूजा करें।
- धर्म ग्रंथों में मां दुर्गा की पूजा का खास विधि बताई गई है। इसके अनुसार, नवरात्रि के नौ दिन मूर्ति के सामने घी का दीपक लगाएं। सुबह जलाए गए इस दीपक को शाम तक न बुझने दें।
- नौ दिन के लिए नौ दीपक तैयार करें और हरेक के सामने लाल रंग के चावल का ढेर लगा दें। अब चावल के इस ढेर पर श्रीयंत्र को स्थापित करें और उसकी पूजा करें। ऐसा पूरे नौ दिन करें।
- नवरात्रि के बाद चावल को नदी में प्रवाहित कर दें और श्रीयंत्र को घर के मंदिर में स्थापित कर लें। बताते हैं कि पूरी श्रद्धा के साथ इस विधि से मां की आराधना करेंगे तो लक्ष्मीजी अवश्य प्रसन्न होंगी।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267